अखबारी कागज के साथ क्वालिटी पेपर भी बनाएगी नेपा मिल

सुखद खबर • स्थापना दिवस आज, परीक्षण अंतिम चरण में, मई से दोनों मशीनों से उत्पादन की तैयारी

संदीप परोहा • बुरहानपुर

एशिया के सबसे बड़े अखबारी कागज के कारखाने नेपा मिल में जल्द ही फिर से मशीनों की गड़गड़ाहट सुनाई देगी। केंद्र सरकार से मिले 469 करोड़ रुपये के रिवाइवल पैकेज से मिल और मशीनों के रिनोवेशन का काम पूरा हो चुका है। नेपा मिल में अब अखबारी कागज के साथ ही क्वालिटी पेपर का उत्पादन भी होगा। यहां स्थापित की गई दो नई मशीनों में से एक का परीक्षण पूरा हो चुका है और वह उत्पादन के लिए पूरी तरह तैयार है। दूसरी मशीन का परीक्षण अंतिम चरण में हो चंद रोज में पूरा हो जाएगा। इसके बाद मिल प्रबंधन एक-साथ दोनों मशीनों से कागज का उत्पादन शुरू कर देगा। ज्ञात हो कि नेपा मिल लिमिटेड का 26 अप्रैल को स्थापना दिवस है। इसकी स्थापना के 66 साल पूरे हो चुके हैं। वर्ष 1956 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसे देश के नाम समर्पित किया था। इसी दिन से मिल में व्यावसायिक कागज का उत्पादन भी शुरू हुआ था। मिल प्रबंधन 26 अप्रैल से ही कागज का उत्पादन शुरू करने के प्रयास में था, लेकिन तकनीकी कारणों से ऐसा नहीं हो सका। सीएमडी सौरभ देव ने इसी के चलते कोरोना काल में भी मिल के नवीनीकरण का काम रुकने नहीं दिया था। मिल प्रबंधन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक मई के पहले या दूसरे सप्ताह में उत्पादन शुरू होने की आधिकारिक घोषणा हो सकती है। बताया जाता है कि मिल जब अच्छी स्थिति में थी तब यहां पांच हजार के आसपास कर्मचारी कार्यरत थे। वर्तमान में करीब पांच सौ कर्मचारी ही शेष बचे हैं।

एशिया के सबसे बड़े अखबारी कागज के कारखाने नेपा मिल का मुख्य द्वार। • नईदुनिया

सात साल से बंद थी मिल

पुरानी मशीनों के कारण उत्पादन घटने और घाटे के चलते वर्ष 2010 में तत्कालीन केंद्रीय राज्यमंत्री अरुण यादव ने मिल के नवीनीकरण के लिए 12 सौ करोड़ रुपये का पैकेज दिलाया था। काम देर से शुरू होने के कारण इसकी लागत बढ़ गई थी। जिसके चलते तत्कालीन सांसद नंदकुमार सिंह चौहान के प्रयास से केंद्र की मोदी सरकार ने वर्ष 2014 में रिवाइवल पैकेज देने की घोषणा की थी। जुलाई 2015 में मिल में उत्पादन पूरी तरह बंद कर दिया गया था। केंद्र सरकार का 469 करोड़ रुपये का रिवाइवल पैकेज करीब चार साल बाद मिल पाया। जिसके बाद वर्ष 2019 से मिल के नवीनीकरण का काम शुरू हुआ।

नेपा मिल का सफरनामा....

- 26 जनवरी 1947 को नायर बंधुओं ने नेपा मिल की नींव रखी थी। बाद में सीसी बरार के हाथ में प्रबंधन आ गया था।
- 26 अप्रैल 1956 को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसे केंद्र के अधीन लेकर देश के नाम समर्पित किया। इसी दिन से मिल में व्यावसायिक उत्पादन भी शुरू हुआ। तब मिल की क्षमता 30 हजार टीपीए थी।
- 27 मार्च 1969 को दो नंबर मशीन स्थापित हुई। जिससे कारखाने की उत्पादन क्षमता बढ़कर 67500 टीपीए हो गई थी।
- 1978 में मिल ने एमपीईबी का चादनी गांव स्थित थर्मल पावर स्टेशन 1.50 करोड़ में खरीदा।
- 21 फरवरी 1989 को मिल का नाम बदल कर नेपा लिमिटेड किया गया। इसी साल नवंबर में मशीन नंबर दन का नवीनीकर किया गया। जिससे कारखाने की उत्पादन क्षमता बढ़कर 88000 टीपीए हो गई थी।
- 1991 में कारखाने ने रिकार्ड 75512 एमटी कागज का उत्पादन कर 14.32 करोड़ रुपये का लाभ कमाया।
- 1992 में नेपा मिल में 49 जीएसएम के कागज का उत्पादन शुरू हुआ। 1995 में पिक न्यूजप्रिंट का उत्पादन शुरू हुआ।
- अगस्त 1996 में एचटी ग्रिड से बिजली सप्लाई रोके जाने के कारण मिल बंद हो गई थी।

इसी साल केंद्र सरकार ने मिल को निजी हाथों में सौंपने का प्रयास किया था। कर्मचारी यूनियन व नागरिकों के विरोध के बाद बिल वापस लिया था।

- 1997 में मिल में फिर उत्पादन शुरू हुआ। इसी साल से 44 जीएसएम कागज का उत्पादन भी शुरू किया गया।

-जुलाई 2015 में कारखाने की खस्ता हालत के कारण नेपा मिल को पूरी तरह बंद कर दिया गया था। इससे पहले मिल को क्वालिटी पेपर तैयार करने की अनुमति मिल चुकी थी।

- आज स्थापना दिवस पर मिल में ध्वजारोहण सहित अन्य कार्यक्रम होंगे। एक नंबर मशीन उत्पादन के लिए पूरी तरह तैयार है। दो नंबर मशीन का परीक्षण भी अंतिम चरण में है। मिल में जल्द ही पूरी क्षमता से उत्पादन शुरू होगा।- रवींद्र शिवहरे, जनसंपर्क अधिकारी नेपा मिल।

आज होगा ध्वजारोहण, पूजन

स्थापना दिवस पर मंगलवार को नेपा मिल के सीएमडी सौरभ देव व अन्य अधिकारी मिल का ध्वज लहराएंगे। मिल की स्थापना के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा रखी गई आधारशिला का पूजन होगा। इसके बाद सौरभ देव अधिकारी, कर्मचारियों को संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना काल में मजदूरों की कमी के बावजूद मिल का काम चालू रखने में सीएमडी सौरभ देव की अहम भूमिका थी।